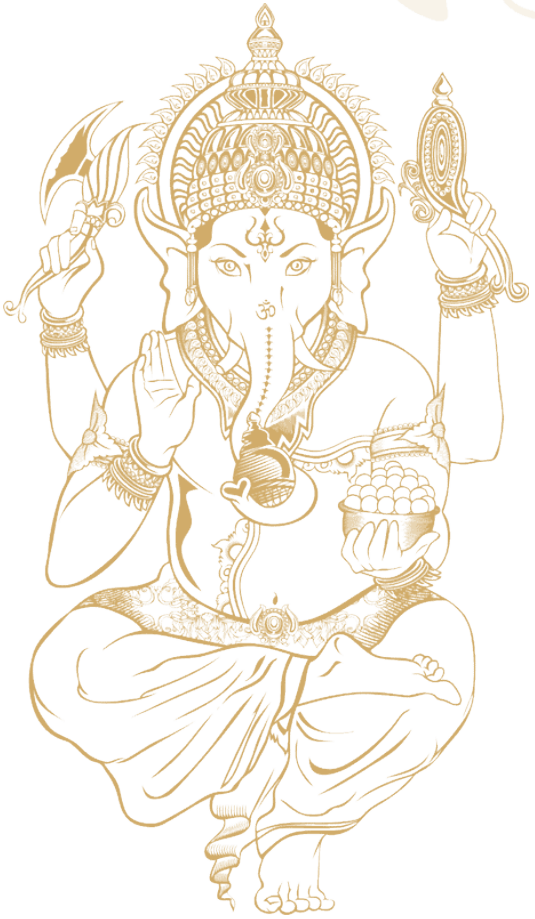

Ajay deep singh

17 Nov 1993

07:06 AM

Patti

Model: web-freekundliweb

Order No: 121935205

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17/11/1993**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**07:06:00 घंटे**
इष्ट	00:15:39 घटी
स्थान	**Patti**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	31:17:00 उत्तर
रेखांश	74:51:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:30:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:35:24 घंटे
वेलान्तर	00:15:04 घंटे
साम्पातिक काल	10:19:54 घंटे
सूर्योदय	06:59:44 घंटे
सूर्यास्त	17:31:17 घंटे
दिनमान	10:31:33 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	00:56:44 वृश्चिक
लग्न के अंश	01:25:38 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	धृति
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भी-भीमा
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	01:25:38	302:18:36	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
सूर्य			वृश्चि	00:56:44	01:00:31	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	मित्र राशि
चंद्र			धनु	13:09:02	13:42:21	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	सम राशि
मंगल		अ	वृश्चि	11:52:19	00:43:27	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	स्वराशि
बुध			तुला	13:03:22	00:19:15	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	मित्र राशि
गुरु			तुला	07:38:25	00:12:31	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	16:13:21	01:15:15	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	मूलत्रिकोण
शनि			कुंभ	00:11:56	00:02:03	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	मूलत्रिकोण
राहु			वृश्चि	09:14:47	00:00:34	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु			वृष	09:14:47	00:00:34	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	सम राशि
हर्ष			धनु	25:30:27	00:02:24	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
नेप			धनु	25:13:20	00:01:30	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	01:37:26	00:02:24	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
दशम भाव			सिंह	09:15:43	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:32

लग्न-चलित

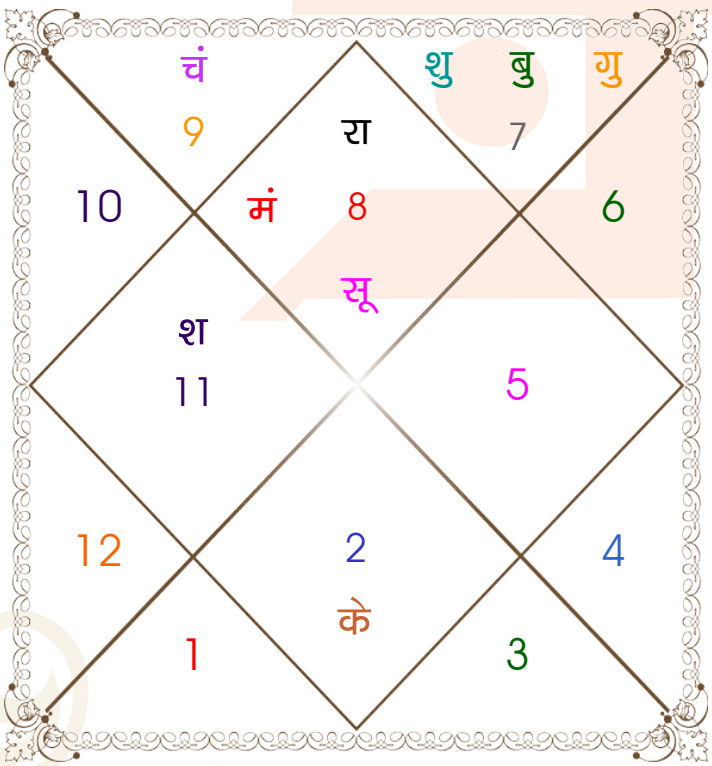

चन्द्र कुंडली

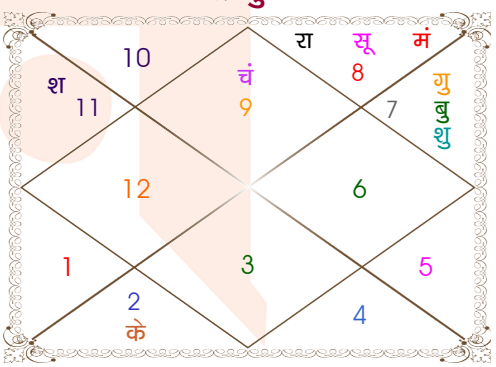

नवमांश कुंडली

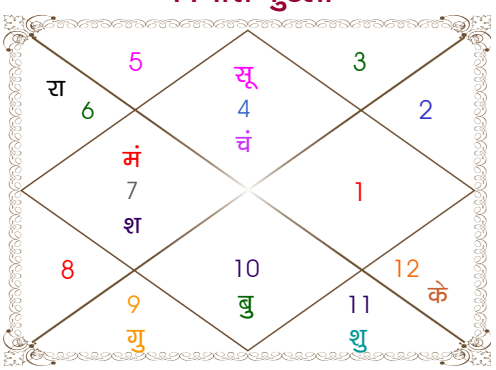

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 0 वर्ष 1 मास 4 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
17/11/1993		22/12/1993		22/12/2013		22/12/2019		22/12/2029	
22/12/1993		22/12/2013		22/12/2019		22/12/2029		22/12/2036	
	00/00/0000	शुक्र	22/04/1997	सूर्य	10/04/2014	चंद्र	22/10/2020	मंगल	20/05/2030
	00/00/0000	सूर्य	23/04/1998	चंद्र	10/10/2014	मंगल	23/05/2021	राहु	07/06/2031
	00/00/0000	चंद्र	22/12/1999	मंगल	15/02/2015	राहु	22/11/2022	गुरु	13/05/2032
	00/00/0000	मंगल	20/02/2001	राहु	10/01/2016	गुरु	23/03/2024	शनि	22/06/2033
	00/00/0000	राहु	21/02/2004	गुरु	28/10/2016	शनि	22/10/2025	बुध	19/06/2034
	00/00/0000	गुरु	22/10/2006	शनि	10/10/2017	बुध	23/03/2027	केतु	16/11/2034
	00/00/0000	शनि	22/12/2009	बुध	16/08/2018	केतु	22/10/2027	शुक्र	16/01/2036
	17/11/1993	बुध	22/10/2012	केतु	22/12/2018	शुक्र	22/06/2029	सूर्य	23/05/2036
बुध	22/12/1993	केतु	22/12/2013	शुक्र	22/12/2019	सूर्य	22/12/2029	चंद्र	22/12/2036

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
22/12/2036		22/12/2054		22/12/2070		22/12/2089		23/12/2106	
22/12/2054		22/12/2070		22/12/2089		23/12/2106		18/11/2113	
राहु	04/09/2039	गुरु	08/02/2057	शनि	25/12/2073	बुध	19/05/2092	केतु	21/05/2107
गुरु	27/01/2042	शनि	23/08/2059	बुध	03/09/2076	केतु	17/05/2093	शुक्र	20/07/2108
शनि	03/12/2044	बुध	27/11/2061	केतु	13/10/2077	शुक्र	17/03/2096	सूर्य	25/11/2108
बुध	23/06/2047	केतु	03/11/2062	शुक्र	12/12/2080	सूर्य	21/01/2097	चंद्र	26/06/2109
केतु	10/07/2048	शुक्र	04/07/2065	सूर्य	24/11/2081	चंद्र	22/06/2098	मंगल	22/11/2109
शुक्र	11/07/2051	सूर्य	23/04/2066	चंद्र	26/06/2083	मंगल	20/06/2099	राहु	11/12/2110
सूर्य	04/06/2052	चंद्र	23/08/2067	मंगल	04/08/2084	राहु	07/01/2102	गुरु	17/11/2111
चंद्र	04/12/2053	मंगल	28/07/2068	राहु	11/06/2087	गुरु	14/04/2104	शनि	26/12/2112
मंगल	22/12/2054	राहु	22/12/2070	गुरु	22/12/2089	शनि	23/12/2106	बुध	18/11/2113

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 0 वर्ष 1 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहते है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।